वी. एन्ड सी. पटेल अंग्रेजी विद्यालय

वार्षिक परीक्षा

दिनांक : १४-३-१८ **कक्षा – ९ विषय : हिन्दी** गुण-८०

समय : ३ घण्टा

निर्देश :

१. इस प्रश्नपत्र के चार खंड है क, ख, ग और घ
२. चारों खंडो के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
३. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खंड – क (अपठित बोध)

प्र-१ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ५

जिंदगी जीने के लिए है, बिताने के लिए नहीं और जिंदगी वही जीता है, जिसमें आत्मविश्वास है । जीवन को जीतने की संज्ञा दी गई है । इसमें वही विजयी होता है, जिसमें दृढ इच्छाशक्ति हो, जो कठिनाइयों का सामना कर सके । मनुष्य को जीवन एक कर्मक्षेत्र है, एक संग्राम है, एक संघर्ष हैं, जहाँ आरंभ से लेकर अंत तक कर्तव्य हो साहस और धैर्य के साथ निभाना पड़ता है । साहस मनुष्य के मन का सम्राट है । साहस और निराशा दोनों में विरोधाभास है । जब साहस मार्ग दिखाता हैं, तो अन्य मानसिक और शारीरिक शक्तियाँ भी जाग्रत होकर निराशा को समाप्त कर देती हैं । ठोकर खाकर गिरने में कोई अपराध नहीं हैं, अपितु गिरकर न उठना महा अपराध है । जब काली घटाएँ व्यक्ति के सिर पर छा रही हों, तो विद्वानों की तरह याद रखना चाहिए कि काली घटाओं के पीछे सूरज चमक रहा है और घटाओं के सीमा पार करते ही प्रकाश फैल जाएगा । मनुष्य का सबसे अंधकारमय पक्ष उसका अपना मन ही है और मनुष्य का श्रेष्ठतम पक्ष उसके मानसिक विचार हैं ।

हर व्यक्ति की सफलता उसके हाथ में है । मैं समर्थ हूँ, मैं कर सकता हूँ, मैं परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करूँगा, इस प्रकार के सकारात्मक विचार व्यक्ति के मनोबल को बढ़ाते हैं । सुख-दुःख का अहसास व्यक्ति की मनःस्थिति पर निर्भर करता है । जहाँ से सहन करने की शक्ति समाप्त हो जाती है, वहीं से दुःख प्रारंभ हो जाता है । मनोबल ही जीवन-सुधा है । मानव-शक्ति की वास्तविक सफलता उसकी संकल्प-शक्ति व मनोबल पर निर्भर है ।

क. जीवन को जीतने की संज्ञा क्यों दी गई है ?
ख. लेखक ने मनुष्य के जीवन को किस-किसके समान बताया है और मनुष्य को जिंदगी जीतने के लिए आरंभ से अंत तक क्या करना पडता है ?
ग. मनुष्य के मन का सम्राट कौन है और इससे मनुष्य को क्या-क्या लाभ प्राप्त होता है ?
घ. जब काली घटाएँ व्यक्ति के सिर पर छा रही हों, तो व्यक्ति को क्या याद रखना चाहिए ?
ड़. किस प्रकार के विचार व्यक्ति के मनोबल को बढ़ाते हैं और वे विचार क्या हैं ? लिखिए ।

प्र-२ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । ५

जब कोई युवा पुरुष अपने घर से बाहर निकलकर बाहरी संसार में अपनी स्थिति जमाता है, तब पहली कठिनता उसे मित्र चुनने में पड़ती है । यदि उसकी स्थिति बिलकुल एकांत और निराली नहीं रहती, तो उसकी जान-पहचान के लोग घड़ाघड बढ़ते जाते हैं और थोड़े ही दिनों में कुछ लोगों से उसका हेल-मेल हो जाता

है । यही हेल-मेल बढ़ते-बढ़ते मित्रता के रूप में परिणत हो जाता है । मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर उसके जीवन की सफलता निर्भर हो जाती है, क्योंकि संगति का गुप्त प्रभाव हमारे आचरण पर बड़ा भारी पड़ता है । हम लोग ऐसे समय में समाज में प्रवेश करके अपना कार्य आरंभ करते हैं, जबकी हमारा चित्त कोमल और हर तरह का संस्कार ग्रहण करने योग्य रहता है, हमारे भाव अपरिमार्जित और हमारी प्रवृत्ति अपरिपक्व रहती है ।

कोई भी मित्र सर्वगुण संपन्न नहीं होता और कोई भी मित्र अधूरा नहीं होता । हर मित्र में बहुत-से गुण ऐसे होते हैं, जो हम से मेल खाते हैं । इन गुणों के कारण ही हमारा हेल-मेल बना रहता है और मित्रता की लंबाई बढ़ती रहती है । एक और विशेषता मित्र में ऐसी होती है, जिसकी हमें जरूरत होती है । यह विशेषता या गुण ऐसे नहीं दिखाई देता । जब कोई विकट स्थिति आती है, तो यह गुण उभर कर बाहर आ जाता है । यह गुण दो मित्रों की पहचान को अधिक गहराई तक पहुँचाता है । इस गुण की बार-बार प्रशंसा की जाती है । इस प्रशंसा से यह गुण हमारी विशेषताओं में से एक हो जाता है । इस प्रकार सत्संगति से गुण बढ़ते जाते हैं और उच्च चरित्र का निर्माण होता रहता है ।

क. मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर क्या निर्भर करता है ?
ख. मित्र कैसे बनते हैं ?
ग. हम दूसरों के गुणों को कैसे अपनाते हैं ?
घ. मित्रों के बीच टूटन कब आती है ?
ड. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

प्र-३ निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । ५

सागर के उर नाच-नाच करती है लहरें मधुर गान ।
जगती के मन को खींच खींच,
निज छवि के रस से सींच-सींच
जल कन्याएँ भोली अजान,
सागर के डर पर नाच-नाच, करती है लहरें मधुर गान ।
प्रातः समीर से हो अधीर,
छूकर पल-पल उल्लसित तीर,
कुसुमावलि-सी पुलकित महान,
सागर के उर पर नाच-गान, करती है लहरे मधुर गान ।
संध्या से पाकर रुचिर रंग,
करती-सी शत सुर-चाप भग,
हिलतीं नव तरु-दल के समान,
सागर के डर पर नाच-नाच, करती है लहरें मधुर गान ।
करतल-गत कर नभ की विभूति,
पाकर-शशि-से सुषमानुभूति
तारावली-सी मृदु दीप्तिमान,
सागर के उर पर नाच-गान, करती है लहरे मधुर गान ।

प्रश्न : १. सागर किसके उर पर नाचती हुई मधुर गान गाती है ?
२. सागर की लहरें किसे आकर्षित करती है ?
३. कविने सागर की लहरों को किसकी तरह महान कहा है ?
४. हिलती हुई सागर की लहरें किसके समान दीप्तिमान है ?
५. काव्यांश को उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

खंड : ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्र-१ निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए । ३

विद्यालय, ट्रक, क्षमा

प्र-२ निर्देशानुसार उत्तर दीजिए ।

क. हिंदी, घटा (अनुस्वार चिह्न लगाइए ।) १

ख. आगन, चिड़िया (अनुनासिक चिह्न लगाइए ।) १

ग. निर्धन, अत्यंत (उपसर्ग और मूलशब्द अलग कीजिए ।) १

घ. घटिया, बुद्धिमान (प्रत्यय और मूलशब्द अलग कीजिए ।) १

च. लापरवाही, बेईमानी (उपसर्ग, मूलशब्द प्रत्यय अलग कीजिए ।) १

छ. धर्मात्मा, हरीश (संधि विच्छेद कीजिए) १

ज. सु+आगत, लंका+ईश (संधि कीजिए ।) १

झ. निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम-चिह्न का प्रयोग कीजिए । ३

१. वह तुम्हारा प्रशंसकर है तुम उसे मूर्ख मानते हो

२. रहीम ने सत्य ही कहा है रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून पानी गए न उबरे मोती मानुस चून

३. अब हम अपनी बात नीचे दिए गए उदाहरणों से स्पष्ट करेंगे

प्र-३ संधि किसे कहते है ? उसके कितने भेद है ? २

खंड : ग (साहित्य विभाग)

प्र-१ हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं ? २

प्र-२ कवियों की धारणा को 'कीचड़ का काव्य' में युक्ति शून्य क्यों कहा है ? २

प्र-३ महात्मा गाँधी के धर्म-संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए । २

प्र-४ गाँधीजी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे ? २

प्र-५ 'अग्नि-पथ' कविता का उद्देश्य बताइए । २

प्र-६ "मैं चलता हूँ अब आपकी बारी है" पटेल के इस कथन का आशय उद्धत करते हुए पाठ के संदर्भ से स्पष्ट कीजिए । २

प्र-७ 'उनाकोटी' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह स्थान इस नाम से क्यों प्रसिद्ध है ? २

प्र-८ "आज से यह खाना तुम्हारी अपनी किताबों का । यह तुम्हारी अपनी लाइब्रेरी है ।" पिता के इस कथन से लेखक को क्या प्रेरणा मिली । ३

प्र-९ निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट करते हुए पानी के महत्व को स्पष्ट कीजिए । ४

"रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून ।
पानी गए न उबरै, मोती, मानुष, चून ॥"

प्र-१० "खूशबू रचते हाथ" तथा "नए इलाके में" कविता का मूल भाव बताइए । २

प्र-११ क. "यह धर्म यात्रा है । चलकर पूरी करूगा" । इस कथन से गाँधीजी की किस चारित्रिक विशेषताओं का परिचय प्राप्त होता है ? २

अथवा

ख. पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है ?

खंड – ख

प्र-१ दिए गए संकेतो बिंदुओ के आधार पर किसी एक विषय पर ८०-१०० शब्दों का अनुच्छेद लिखिए । ५

क. लडका–लडकी एक समान :

संकेत बिंदु : भूमिका – समानताएँ – दफियानूसी विचारधारा – हमारा दायित्व – निष्कर्ष ।

ख. विद्यार्थी जीवन और फैशन :

संकेत बिंदु : फैशन का अभिप्राय – विद्यार्थियों पर बढ़ते फैशन का प्रभाव – फैशन के दुष्प्रभाव – समाधान रूपी निष्कर्ष ।

ग. विज्ञान के लाभ :

संकेत बिंदु : वैज्ञानिक आविष्कार और वैज्ञानिक प्रगति-लाभ-सुख-शांति - प्रकृति से कुछ उदाहरण – महापुरुषो के उदाहरण

प्र-२ दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर ३०-४० शब्दों में उसका वर्णन कीजिए । ५

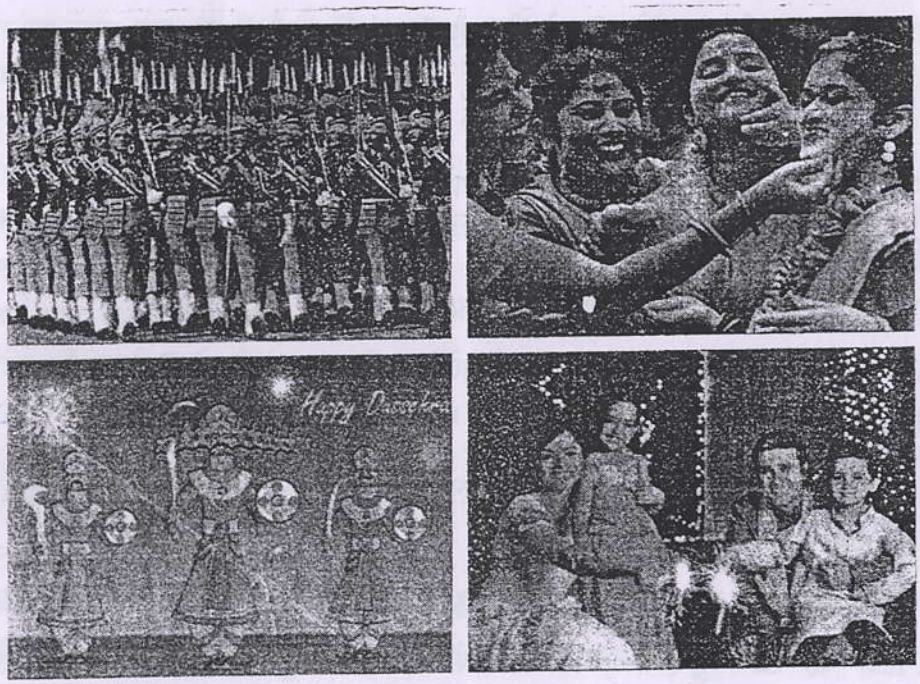

प्र-३ अ. बड़े भाई की ओर से छोटे भाई को पत्र, यह समझाते हुए कि फैशन में रूचि न लेकर पढ़ाई की और ध्यान दे । ५

अथवा

ब. वाद-विवाद प्रतियोगिता जीतने वाले अपने मित्र को बधाई पत्र लिखिए ।

प्र-४ साड़ियों की सेल लगी हैं, इसके लिए विज्ञापन तैयार कीजिए । ५

प्र-५ गाड़ी में सामान छूट जाने पर एक सूचना लिखिए । ५